No. of Printed Pages : 4

BHDC-134

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (CBCS) (BAG)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एच.डी.सी.-134 : हिन्दी गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×18=36

(क) तुझसे ही वह सहायता न लूँगी तो किससे लूँगी। लेकिन सहायता का हाथ देकर क्या मुझे यहाँ से उठाकर ऊँचे वर्ग में जा बिठाने की इच्छा है तो भाई, मुझे माफ कर दो। वैसी मेरी अभिलाषा नहीं है। सहायता मुझे इसलिए चाहिए कि मेरा मन पक्का होता रहे कि कोई मुझे कुचले, तो भी मैं

कुचली न जाऊँ और इतनी जीवित रहूँ कि उसके पाप के बोझ को भी ले लूँ और सबके लिए क्षमा की प्रार्थना करूँ।

(ख) एसा काम ढूँढना जहाँ कुछ ऊपरी आय हो। मासिक वेतन तो पूर्णमासी का चाँद है, जो एक दिन दिखाई देता है और घटते-घटते लुप्त हो जाता है, ऊपरी आय बहता हुआ स्रोत है जिससे सदैव प्यास बुझती है। वेतन मनुष्य देता है, इसी से उसमें वृद्धि नहीं होती। ऊपरी आमदनी ईश्वर देता है, उसी से उसकी बरकत होती है, तुम स्वयं विद्वान हो तुम्हें क्या समझाऊँ। इस विषय में विवेक को बड़ी आवश्यकता है।

(ग) गजाधार बाबू बैठे हुए पत्नी को देखते रह गए। यही थी क्या उनकी पत्नी, जिसके हाथों के कोमल स्पर्श, जिसकी मुस्कान की याद में उन्होंने संपूर्ण

जीवन काट दिया था ? उन्हें लगा कि वह लावण्यमयी युवती जीवन की राह में कहीं खो गई और उसकी जगह आज जो स्त्री है, वह उनके मन और प्राणों के लिए नितांत अपरिचिता है। गाढ़ी नींद में डूबी उनकी पत्नी का भारी-सा शरीर बहुत बेडौल और कुरूप लग रहा था, चेहरा श्रीहीन और रूखा था।

(घ) एक लोभ से दूसरे लोभ का निवारण भी होता है जिससे लोभी में अन्य वस्तुओं के त्याग का साहस आता है। विशेष विषय-गत लोभ यदि बहुत प्रबल और सच्चा हुआ तो लोभी के त्याग का विस्तार बहुत बड़ा होता है। लोभ तो उसे एक विशेष और निर्दिष्ट वस्तु से है, अतः उसके अतिरिक्त अन्य अनेक वस्तुओं का त्याग वह उसके लिए कर सकता है।

2. हिन्दी उपन्यास का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उपन्यास के तत्वों की चर्चा कीजिए। 16

3. जैनेन्द्र कुमार के उपन्यासों का परिचय दीजिए। 16

4. 'नमक का दारोगा' के परिवेश और संरचना-शिल्प का विवेचन कीजिए। 16

5. 'चम्पा' की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए। 16

6. 'लोभ और प्रीति' निबंध के वैचारिक पक्ष का विश्लेषण कीजिए। 16

7. 'सहस्र फणों के मणि-दीप' निबंध के कथ्य की विशेषताएँ बताइए। 16

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×8=16

(क) द्विवेदीयुगीन गद्य

(ख) आत्मकथा और जीवनी

(ग) प्रमोद की चारित्रिक विशेषताएँ

(घ) 'कुटज' निबंध की भाषा-शैली